

बोधराज सीकरी की मुहिम ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय हनुमान जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत



समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटा), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया

लाल आर्य, केन्द्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि

सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेन्द्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज

के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेन्द्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेन्द्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

- ▶ गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया
- ▶ हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका हनुमान जी की अनन्य भक्त देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी मां वैष्णो दरवार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्री



मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने आँडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी

ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों में देवराज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लुथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गेरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिराज ढींगड़ा, केसरदास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलष, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर समेत अनेक लोग शामिल रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-धीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का



तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप

नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्कर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। दृश्य

श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढाँढस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानन्द जी ने आँडियों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लख की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि

सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा

के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो।

बोधराज सीकरी द्वारा हनुमान चालीसा की चलाई गई मुहिम पहुंची 2 लाख के करीब



गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी): युवाओं में अच्छे संस्कार डालने के लिए पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा चलाए जा रहे हनुमान चालीसा पाठ का अभियान एक लाख 92 हजार का आंकड़ा पार कर चुका है। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि करीब 3 माह पूर्व उन्होंने युवाओं को अच्छे संस्कार देने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया था। जिसमें गजेंद्र गोसाईं व उनकी टीम द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों व मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ के बाद कई लोगों द्वारा उनसे अपने-

अपने क्षेत्रों में हनुमान चालीसा पाठ कराए जाने का आग्रह किया जा रहा है। बोधराज सीकरी ने कहा कि एक लाख 92 हजार का आंकड़ा पार करने के अलावा मेरे आग्रह पर सैक्टर 12 स्थित योगाचार्य श्रीमति मंजू शर्मा द्वारा हर मंगलवार को योग कक्षा के बाद हनुमान चालीसा का पाठ कराती हैं। इसके अतिरिक्त योग शिक्षक रमा ओल्ड डीएलएफ में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करा रही हैं। बोधराज सीकरी ने बताया कि जामपुर बिरादरी के शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में सायं 7 बजे करीब 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

दो हजार से अधिक लोगों ने महान विभूति देवताजी महाराज को श्रद्धांजलि दी

गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में हनुमान चालीसा का पाठ किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम



गुरुग्राम में बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका देवताजी महाराज की श्रद्धांजलि सभा में भजन प्रस्तुत करते गायक।

बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका हनुमानजी की अनन्य भक्त देवताजी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि के उपरांत सभी ने सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्दजी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी मां वैष्णो दरबार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर

अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्रीमेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक मनीषजी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की

संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवताजी को अर्पण करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों में देवराज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भानु प्रोवर, अशोक गेरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिराज ढिंगड़ा, अनिल मनचंदा, केसरदास प्रोवर, श्याम प्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलघ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासदेव प्रोवर समेत अनेक लोग शामिल रहे।

दैनिक मेवात

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आज्ञा के अनुरूप जूज, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अधिव्यान : बोध राज सीकरी

— दैनिक मेवात महादशहारा पुस्तकालय । मंगलवार 30 वर्यी पोषार सोन बने से साठे पंचे बने के बीच में पाम इंडेन 'देवता जी' मसारा, जो फलतजी बोडर मिवाजी नगर, गुरुधाम को लयोनिता थी और हनुमान जो को अरण्य भाग थी, को तपस्वी और प्राणेश मध, आशीर्वाद हाईन, अर्पण पाठ, जू, कोलोने गुरुधाम, में दो हनुम से अर्पण लोपों में हनुमतीला होकर भाग लोपनी को मध-पौको इन्द्रावलि थी। इन्द्रावलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा को तीन बार पाठ किया। तीन सभाय को मध पर इन्द्रावलि रहत निरने जाने-गाने संत शिरोपणि इन्द्रावलो शिवोत्तम जी महाशय, परमाप्यथ, भगवत धाम सतिप्र, सभावी शिवद्वान्त जी महाशय भागल धाम हरीद्वार, स्वामी रूप नारायण डात धिपबुट, पुत्रनीय विनीत वीर मोसाई गोपीकथ मंदिर गुरुधाम, बदेव पुत्रम माता जी गी नैपको ररवार, गरी हरसक, डॉक्टर अलका लगी जनी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पुत्रम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर जी मेहदीपुर चलानी, कदपुर के संस्थापक श्री गरीष जी महाशय, आर्ध प्रतिनिधि सभा हरिधाम के संस्थापक श्री कन्हैया लाल अर्ब, मंडोप श्री शयतन मर्न सभा गुरुधाम के प्रकाश सुंदर सुभन, देव गज अहूज, बाल कृष्ण खरी आदि के साथ शामिल रहे। पुत्रम इन्द्रावलि सभा कम और संत सभेतर का न्याय लग रहा थ, क्योंकि सभी शिरोपणि संघों ने अपने-अपने ज्ञान से मधु और जीवन के रहस्य उजागर किए और



पुण्यपाठ के उक्त अरणे-अरणे पाम प्रस्तुत किया। सभी को दुर्गों ने देखा जी के परिपार के सभी मन्त्रों को इन्द्राव संस्थाप और आशीर्वाद दिया। गीला सगरीको स्वयो इन्द्रावट जो ने अर्पणों के माध्यम से अपने अशीर्वाचन दिए व देखा जो इन्द्राव राम लख की पवित्र गरी अशोषक में को गार्तनमय की जन्ती पृथी-पृथी प्रस्तुत की।

अर्पण सभा और इन्द्रावलि सभा का सकुशल मध मंगलान बोधराज सीकरी ने किया। संतो के प्रवचन और सतक्य उपरांत देवता जी के अर्पण सिध, जो बला जो मंदिर, सिधानी नगर, गुरुधाम के प्रकाश जी ई, गरीध मोसाई ने बोधराज सीकरी की अनुबर्द में तीन बार संजियम टो से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार गुरुध के सत 192000 को संस्था पर हुई।

बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य इन देवता जी को अर्पण करते हैं। गरीध मोसाई ने अंत के पंडित सिध में बिना रुके मंदिर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को मंगित का साथ लेकर भागलप हरिकः अनाकर सता बांफा क्योंकि गी सारस्वती की गरीध मोसाई पर अथर कृष्ण हैं और देवता जी के अशीर्वाद का पुर्ण हनुम चालीसा के



पाठ और नोपराज सीकरी के सतक्य के बर करैक सत अर्ध ने जहाँ एक ओर सत्यवाद प्रताप प्रस्तुत किया वहीं शक्ति घात से सभा का सगलपन किया। सतर का सावद जो कोई ऐसा साधनिक गणधाम या आध्यात्मिक या सत्वनीतिक व्यक्ति हो जो अपने बड़ा सुधम अर्पित करे। इस अनवर पर ता आज हो। सभी के मधु में अत पाठ बह रही थी। यहाँ गुरुधाम की सभी साधनिक और धार्मिक संस्थाओं और गणधामन्य व्यक्तियों ने अपनी हासियां पकी, यहाँ पंचमजे सिधारी महा संसदा के पदाधिकारियों को विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने लोपटर को पंडित प्रसाद सिधाल में सहयोग दिया।

पुण्यपाठ कार्यक्रमों में सगरी ओ देव राज अहूज, एच. एस. साबल, धर्मिंद जराय, रमेश कायरा, रमेश सुभर, अमित सुभन, सुंदर शोख, सतक सुभन, दिशोप लुधरा, जो.पो.काता, शिधोरी लाल कुंडेज, उदय मध घोषा, सतक गेठ, राव कृष्ण कथुपिया, सिधराज वीरदू, अमित सनसंज, केसर दास शोकर, लख शोकर, राजेश पाठ, अंकित आलम, पुत्रम अलख, शिधोरी लाल, नरेज पाठक, सिधन

भाबरा, लखग पाहुना, जय देवाल कुभर, रामदेव शोकर, गीबिंद अहूज, अमर कल्ल, बाल कृष्ण खरी, केसर भवन चपरा, राम सतल शोषा, बटुवत पुग, डी. एन. काठा, एम.अर. कुभार, महाशय रामा, ब्रजम कथुपिया, राज कथुपरी, सुभाष टुडेज, सुभाष नारायण, विनय मर्न, सतीश मर्न, अमर प्रकाश मंगु, एचपीर टोडन, सुभाष शील एटलीकेर, सी.बी. मरचंड, गीबिंद अहूज, पुष्पा नामा, ज्योतिषा नवान, रमेश बकाव, ज्योति मर्न, राजा मीनाल, पी.एन. शोणिक, राकपाल खोणामर्न ने भी धारीदी। फलत और अन्य धार्मिक पाठों में बहुत सारे धार्मिकों उपस्थित रहे, निरने प्रमुप्रका:- डॉक्टर परमेश ओंइ, मुकेश शर्मा फलतान, कपिल दुधन, हासिंद कोहली, शक्ति सन कति पाठों के संवेदनक अर्पण अतप उपस्थित रहे।

शक्ति सभ सत ने सतद पुत्रम को सगलपन विधिपूर्वक किया। सौप सन मोसरी के अहूज पर सैकर 12 गुरुधाम में साधनार्थ शोमरी मंगु सगरी हर मंगलपार को मधु सलाम उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाली है और गुरुठी सोप सिधक रम को शोख डी.एल.एल. सैकर 14 में कलता के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जयपुर सिधारी के शिव मंदिर, इंदर शोण केसलत में सभ सत बने सगलप 2 लोग सामूहिक रूप से मील के इच्छा बोध राव सीकरी के आग्रह पर पांच-पांच बार हनुमान चालीसा का पाठ निरपिन रूप से कर रहे हैं। इसको पाठ को संस्था सगलप 200 अरण से होरी है।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सारथक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम ने किया 1 लाख 92 हजार आंकड़ा पार

जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोगिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलेजी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धाजलि दी। श्रद्धाजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाचार्य, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संस्थापक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुंहर, देव राज अहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

दूसरे श्रद्धाजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के



समाचार से संबंधित फोटो।

सभी सदस्यों को श्रद्धा बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने आश्रितों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लक्ष्मी की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धाजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेन्द्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने

कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेन्द्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेन्द्र गोसाईं पर अणार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण स्त्रय। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने ब्रह्मा सुमन अर्पित

करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी। जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हार्जिरी भरी, वहीं पंजाबी विरादरी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया। गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस.चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र धरजा, हरेश कुमार, दिलीप लुथरा, ओ.पी.कालर, किशोरी लाल डुंडेजा, उदय भान प्रोवर, अशोक गेरा, राज कुमार कथूरिया, गिरिराज ढींगड, अनिल मनचंद, केसर दास प्रोवर,

श्याम प्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलच, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वासुदेव प्रोवर, गोविंद आहूजा, ओम नरुला, बाल कृष्ण खत्री, कंवर भान वधवा, राम लाल प्रोवर, यदुवंश चुग, डी.एन.काज, एम.आर.कुमार, सतपाल नासा, बहा कथूरिया, रमेश चुटानी, सुभाष डुंडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रणधीर टंडन, सुभाष प्रोवर एडवोकेट, सी.बी. मनचंद, गोविंद आहूजा, गुणा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंजाल, पी.एन. मोनिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखत डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा फल्लवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलच उपस्थित रहे। पंडित भीम दत्त ने गुरुडू पुराण का समापन विधिपूर्वक किया। बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजू शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती है और दूसरी योग शिक्षक रसा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जामपुर विरादरी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलावा से होती है।

भारत सारथी

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार



भारत सारथी

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम ब्रह्म देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर सिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोगिका पी और हनुमान जी की अमृत भगत पी, की तैरहवीं और प्रार्थना सभा, आरोग्यद गार्डन ज्योति चक्रे, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता होकर महान विभूति को जन्म-पीनी ब्रह्मजाल दी। ब्रह्मजाली उपराल सपी ने समूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविदानंद जी महाराज भावगत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नाथगत धाम चिरकुट, पूजनीय विरोद वीर गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, ब्रह्मदेव पुत्रम माता जी वी वैष्णो दरवार, गद्दी हरसक, डॉक्टर



अलका शर्मा जानी-पानी ज्योतिषाचार्य और बालुका, (पुत्रम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कर्षेया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्कर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। दुर्ग ब्रह्मजाल सभा कम और संत सम्मेलन का जवाब लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ब्राह्मण चंपाया और आशीर्वाद

दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानरंज जी ने आँकड़ों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लालन की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या को उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और ब्रह्मजाल सभा का सफुलल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरंत देवता जी के अमृत शिष्य, जो बाला जी मंदिर, सिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुआई में तीन बार संगीतमय श्रंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।



लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - देवता जी को दी भाव-पीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरंत भी जारी रहेगा यह अभियान : बोधराज सीकरी

गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बोधा कर्यौंक मी सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार चूषा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्व हाव। हनुमान चालीसा के वक्तव्य के बाद कर्षेया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर भव्यकाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शक्ति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का सायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या

आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने ब्रह्म सुम्न अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी। जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहाँ पंजाबी विरादरी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया। गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस.पावला, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र खरेजा, हरिश कुमार, दिलीप लुधरा, श्री.पी.कालरा, किशोरी लाल बुडेजा, उदय भान शोवर, अशोक गेरा, राज कुमार कर्षुरिया, गिरिराज डींगड़ा, अनिल मनचंद, केसर दास

शोवर, इयम शोवर, राजेश गाबा, अंकित अल्प, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, रोश पावला, किशन पावला, लक्ष्मण पाहूजा, जय दयाल कुमार, वसुदेव शोवर, गोविंद आहूजा, ओम नरुता, बाल कृष्ण खत्री, कैश भान बथक, राम लाल शोवर, यदुवंश चूग, डी. एन. क्वाडा, एम.आर.कुमार, सनातन नासा, जहम कर्षुरिया, रमेश चुटनी, सुभाष बुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु , रणवीर टंडन, सुभाष शोवर, एडवोकेट, सी.सी. मनचंद, गोविंद आहूजा, पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंडाल, पी.एन. मींगिया, राजपाल योगचर्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टियों से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे,



जिनमें प्रमुखत डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, रविंद्र जल क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अल्प उपस्थित रहे। पॉइल भीम दल ने गरुड पुराण का समापन विधिपूर्वक किया।

बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजू शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरंत हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओरड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरंत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं। इसके अतिरिक्त जलपूर विरादरी के शिव मंदिर, ईस्ट ओक केलास में श्रम सात बजे लगभग 30 लोग समूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

ओपन सर्फ

बोधराज सीकरी ने किया 1,92,000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा पार लगभग साढ़े बारह हज़ार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श

ओपन सर्फ/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रेष्ठ "देवता जी" महाराज, जो बालाजी मंदिर सिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थीं और हनुमान जी की अत्यंत भगत भी, की तैयारी और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद घड़न, ज्योति पार्ल, न्यू कालोनी गुरुग्राम, में दो हज़ार से अधिक लोगों ने प्रतिष्ठित होकर महान विभूति को ध्यान-भीती अर्पित किया। श्रद्धालुओं द्वारा सभी ने सम्पूर्ण श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।



संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिसमें जाने-माने संत गिराजी दांडा, स्वामी शिवकानंद जी महाराज, परमाचार्य, भगवत धाम हरिदास, स्वामी रविदानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिदास, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनिय विनोद वैद गेहवाड़ी गौरीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रेष्ठ पुष्प माता जी माँ गौरी देवी दरबार, गढ़ी हरद्वार, इन्डियन अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, पुनम विनोद वैद गेहवाड़ी गौरीनाथ मंदिर श्री मेहदीपुर बालाजी, रुडकर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संस्थापक श्री बन्दीप लाल आर्य, केंद्रीय श्री समाज धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुदिन सुखलर, देव राज



आहुज, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।
दूरस्थ श्रद्धालुओं का काम और संत सम्मेलन का जवाबदा लरा रहा था, क्योंकि सभी शिरोधार्य संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यत्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत गुरुओं ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को बहिष्कार भंग और आशीर्वाद दिया। गौता मनीषी स्वामी ज्ञानेन्द्र जी ने अहिंसा के माध्यम से अपने राम लाला को खिन्न नगरी अयोध्या में जो गई तपस्या को उन्हीं पुरी-

भूरी प्रशंसा की।
प्रार्थना सभा और श्रद्धालुओं सभा का सुरुआत मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। सर्वों के प्रयत्न और कर्तव्य उपरांत देवता जी के अत्यंत शिष्य, जो बाला जी मंदिर, सिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुह्रिम के तहत 192,000 की संख्या पार हुई।
बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।
गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद

मिनट में बिन रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा को बर्बाद की माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के कर्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शक्ति पाठ से सभा का समापन किया।
शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर

पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अक्षु धारा बह रही थी।
जहाँ गुरुग्राम की सभी समाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हार्दिक भरी, वहीं पंजाबी विद्यार्थी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया।
गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहुज, एच.एस.चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुदिन खरेवा, हरिेश कुमार, दिलीप त्वधरा, ओ.पी.कालरा, किशोरी लाल

दुडेजा, उदय भान श्रेष्ठ, अशोक शेर, राज कुमार कर्पूरिया, गिरिराज शिंगड़ा, अनिल मनचंद, कैसर दास श्रेष्ठ, रवाम श्रेष्ठ, राजेश गाबा, अंकित अलख, सुभाष अरलराज, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासुदेव श्रेष्ठ, गोविंद आहुजा, ओम नरवल, बाल कृष्ण खत्री, कैसर भान कथवा, राम लाल श्रेष्ठ, यदुवंश युग, डी.एन.कक्का, एम.आर.कुमार, सतपाल नासा, अरुण कर्पूरिया, रमेश चूडानी, सुभाष दुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, ललित वर्मा, ओम प्रकाश केशु, रणधीर टंडन, सुभाष श्रेष्ठ

एडवोकेट, सी.पी. मनचंद, गोविंद आहुज, पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश नूजाल, पी.एन. मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी।
भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिसमें प्रमुखतः :- इन्डियन परमेयर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलखान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलख उपस्थित रहे। पंडित भीम दत्त ने गरुड पुराण का समापन विधिपूर्वक किया।
बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं। इसके अतिरिक्त जापुर विद्यार्थी के सिध मोंदर, टैन्ट अंशु कैलरा में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ विधिम त रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होगी है।



■ हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी
■ आस्था के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान : बोध राज सीकरी

गुड़गांव टुडे

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार ब्रह्मलुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पष्ट- 'देवता जी' को दी भाव-मीनी विदाई।

■ आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान : बोध राज सीकरी।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रेष्ठ ज्योतिषी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तरहवीं और प्रार्थना सभा आशीर्वाद गार्डन, ज्योतिष पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-मीनी ब्रह्मजलि दी। ब्रह्मजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि

श्री स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमायुष्य, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भागवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रेष्ठ पुनम माता जी माँ वैष्णो दरवार, गड़ी हरसरु, डॉक्टर अलका शर्मा ज्ञानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पुनम माता जी की वेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेरठपुर चालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संस्थापक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खड्क, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

दृष्ट श्रद्धाजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और प्रणुपत्ता के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत



पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को दंडस वंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानचंद जी ने आँकड़ों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लख की पवित्र नगरी अयोध्या में क्री गई तपस्या को उन्होंने पूरी-पूरी प्रशंसा की।

प्रार्थना सभा और ब्रह्मजलि सभा का सक्षुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला

जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुह्रिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।

गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बोधा कर्तव्यीक मी सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर भक्तवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शक्ति पाठ से सभा का समापन किया।

शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा समन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी।

जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हार्जति भरी, वहीं पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया।

गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस.चावला, भोजप और अन्य राजनीतिक

पाटी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखतः - डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सजित जैन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलख उपस्थित रहे। पाँचला भीम दत्त ने गहड़ पुराण का समापन विधिपूर्वक किया।

बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजू शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं।

इसके अतिरिक्त जामपुर विरादरी के तिव मॉस्टर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ निर्यात रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

नये भारत का अखबार



गुड़गाव मेल

DAVP, Northern Rly., DPR Haryana के दिग्गजों के दिग्दर्शन

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान

ब्यूरो/गुड़गाव मेल

गुड़गाव, 31 मई। 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रेष्ठ देवता जी महाराज, जो चालीसी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, को तैरहवों और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कालोनी गुरुग्राम, में दो हज़ार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविदानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनिय विनोद वेद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रेष्ठ पुनम माता जी माँ वैष्णो देववार, गद्दी हरसक, डॉक्टर अलका शर्मा ज्ञानी-मानी ज्योतिषचार्य और



वास्तुकार, (पुनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहदीपुर चालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

दूरव्य श्रद्धांजलि सभा क्रम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिचार के सभी



सदस्यों को डांडस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनोपी स्वामी ज्ञानरंज जी ने आँडियों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो चाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, मजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी को अगुवाई में

तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुह्रिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।

गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज

सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

शहर का जावद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति ही जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी।

जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहीं पंजाबी विरादरी

महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया।

गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस. चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेंजा, हरीश कुमार, दिलीप सूधरा, ओ.पी. कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रीवर, अशोक गेरा, राज कुमार कथुरिया, गिरिराज डींगड़ा, अनिल मनचंद, केसर दास ग्रीवर, श्याम ग्रीवर, राजेश गाथा, अंकित अलख, सुभाष अदरलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला,

किशन चावला, लक्ष्मण पाहूजा, जय दयाल कुमार, वासुदेव ग्रीवर, गोबिंद आहूजा, ओम नरुला, चाल कृष्ण खत्री, कैतर भाव चधवा, राम लाल ग्रीवर, यदुवंश चुग, डी. एन. क्वारा, एम.आर. कुमार, सतपाल नासा, ब्रह्म कथुरिया, रमेश सुदानो, सुभाष डुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रणधीर टंडन, सुभाष ग्रीवर एडवोकेट, सी.बी. मनचंद, गोबिंद आहूजा, पुष्पा नासा, ज्योतिना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मूजाल, पी.एन. मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी।

भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखतः डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहालवान, कपिल दुआ, हरबिंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलख उपस्थित रहे।

पंडित भीम दत्त ने गरुड़ पुराण का समापन विधिपूर्वक किया। बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओलड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं।

इसके अतिरिक्त जामपुर विरादरी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ निर्यात रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती हैं।

दैनिक उजाला आज तक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

RNI No.-HARHIN/2016/71777

ujalaaajtak@gmail.com

गुरुवार, 01 जून 2023

वर्ष: 02, अंक: 68 पृष्ठ: 06, मूल्य: 3 रु. हरियाणा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान वालीसा पाठ का आँकड़ा पार

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक गुरुग्राम में दोपहर तीन बजे से सड़के पॉव बजे के बीच में परम श्रद्धेय हनुमान जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्यना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरान्त सभी ने सामूहिक श्री हनुमान वालीसा का तीन

बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाचार्य, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकुट, पूजनीय दिनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरु, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता



जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष

जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल

आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज अहलुजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। हस्त श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को दांडस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता

मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी ने आँड़ियों के माध्यम से अपने आशीर्वादन दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्यना सभा और श्रद्धांजलि सभा का स्कुशल मंच संवालेन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरान्त देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय

दंग से हनुमान वालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान वालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान वालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अक्षर कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ।

एनसीआर टाइम्स

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 1/6/23

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी



हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरवार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। दृश्य श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य

प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के वक्षु में अश्रु धारा बह रही थी। जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहीं पंजाबी बिरादरी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया।

गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच. एस.चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओ.पी.कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक मेरा, राज कुमार कथूरिया, गिरिराज डींगड़ा, अनिल मनचंदा, केसर दास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलघ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर, गोबिंद आहूजा, ओम नरुला, बाल कृष्ण खत्री, कैवर भान वधवा, राम लाल ग्रोवर, यदुवंश चुग, डी. एन.क्वात्रा, एम.आर.कुमार, सतपाल नासा, ब्रह्म कथूरिया, रमेश घुटानी, सुभाष डुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रणधीर टंडन, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, सी.बी. मनचंदा, गोबिंद आहूजा, पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंजाल, पी.एन. मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखतः दू.डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलघ उपस्थित रहे।

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - "देवता जी" को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम्स) गुरुग्राम मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय "देवता जी" महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा,आशीर्वाद गार्डन ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम

उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढाढस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने आँडियों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद

पंडित श्रीम दत्त ने गुरु पुराण का समापन विधिपूर्वक किया।

बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती है और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जामपुर बिरादरी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

3 **राज्य** **राज्य**
संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संसदीय के साथ उचित संसदीय



पृष्ठ 11

6 **राज्य** **राज्य**
संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संघर्ष के साथ उचित संसदीय

राष्ट्रीय दैनिक

8 **राज्य** **राज्य**
संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संघर्ष के साथ उचित संसदीय

संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संघर्ष के साथ उचित संसदीय

10 **राज्य** **राज्य**
संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संघर्ष के साथ उचित संसदीय

12 **राज्य** **राज्य**
संघर्ष के बीच रहते हैं संसदीय
संघर्ष के साथ उचित संसदीय

जगत क्रान्ति



वर्ष : 44 अंक : 150

जीव

मुम्बई, 1 जून, 2023

पृष्ठ 12 | कृपय ₹2

हरियाणा का सर्वांगीण लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail : jagatkrantijind@gmail.com

गौरी (हरियाणा) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम ने पार किया किया 1 लाख 92 हजार का आंकड़ा

जगत क्रान्ति » एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ.स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ



वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक मनीष महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। दृश्य श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने

अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढाँढस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लक्ष्म की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज

सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेन्द्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया।

गणमान्य व्यक्तियों में देव राज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, दलीप लूथरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, गिरिराज द्वीगड़ा, अनिल मनचंदा, राजेश गाबा, सुभाष अदलखा, लक्ष्मण पाहूजा, गोविंद आहूजा, बाल कृष्ण खत्री, कँवर भान वधवा, राम लाल ग्रोवर, यदुवंश चुग, डीएन क्वात्रा, एम.आर.कुमार, रमेश चूटानी, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुँजाल, पी.एन. मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टियाँ

से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखतः डा. परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलख उपस्थित रहे। पंडित भीम दत्त ने गरुड़ पुराण का समापन विधिपूर्वक किया। बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती है और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जामपुर बिरादरी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

ह्यूमान इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

ह्यूमान इंडिया/ब्युरो

मुक्तगायम। मंगलवार 30 मई को रात 11 बजे से शुरू हुए चालीसा पाठ के बीच में परम ब्रह्मदेव देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवजी मंदिर, गुरुग्राम की संयोगिका की और हनुमान जी की अत्यंत भगवत धी, को वेदवर्षी और प्रार्थना सभा आशीर्वाद गार्डन ज्योतिष पार्क, न्यू कलिंगी गुरुग्राम, में दो हफ्ते से अधिक लोगों ने समर्थित होकर महान विभूति को भाव-भेरी ब्रह्मांडिक श्री ब्रह्मांडीय उपरान्त सभी ने सांख्यिक श्री हनुमान चालीसा का तीन घण्टे का पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जने-मने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमपूज्य, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविद्वन्द्व जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास विश्वकुट, पूजनीय विवेक केंद्र गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, ब्रह्मदेव पूज्य माता जी मई केशव देव, गणेश हरिसर, शक्तिर अनाक शर्मा ज्ञानी-मन्त्री ज्योतिषधर्म और चन्द्रबुद्ध, (पूज्य माता जी की भेटी), हरिधाम मंदिर श्री महोदय कालिका, कल्पद्रु के संस्कार श्री मन्त्री जी महाराज, अर्ध प्रतिनिधि सभा हरिधाम के संस्कार श्री कर्णाल लाल अर्ध, केद्रीय श्री सदान धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुदीप खुरार, देव राज आहुता, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

दूरस्थ ब्रह्मांडीय सभा कम और संत समाज का उपादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने



- लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - देवता जी को दी भाव-भेरी विदाई।
- हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी
- आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरान्त भी जारी रहेगा यह अभियान : बोधराज सीकरी

अपने-अपने ज्ञान से मनुष्य और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यका के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुण्यों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को खंडित बंधाया और आशीर्वाद दिया। गौता मन्त्री स्वामी ज्ञानदेव जी ने आँकड़ों के माध्यम से अपने

आशीर्वादन दिए व देवता जी द्वारा राम ललला को पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या को जन्मि भूटी-भूटी प्रशंसा की।

प्रार्थना सभा और ब्रह्मांडीय सभा का सकुशल मंच संसालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरान्त देवता जी के



अत्यंत शिष्ट, जो बाला जी मंदिर, शिवजी मंदिर, गुरुग्राम के प्रथम धी है, गौरेड गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अग्रणी में तीन बार संगीतमय श्रंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार गौरीय ने तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।

गौरेड गोसाईं ने अंत के पंढर मिन्ट में किए रुके विरार तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बोध कर्मीक मी सरस्वती की गौरेड गोसाईं पर अजर कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाव। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कर्णाल लाल अर्ध ने



जहाँ एक ओर भक्तवत् प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं कौंति पाठ से सभा का समापन किया। सहर का शान्द ही कोई ऐसा सामाजिक गणमन्य या अध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने ब्रह्म सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अक्षु धरा वह रही थी। जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमन्य

व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहीं पंजाबी विराटी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोहरा को भंडारा प्रसाद विवरण में सहयोग दिया।

गणमन्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहुता, एच.एस. चानला, शर्मद बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अमित कुमार, सुदीप खरेजा, इरीश कुमार, दिलीप लुपरा, ओ.पी. कालरा, किशोरी लाल बुडेजा, उदय भात शोकर, अशोक गेरा, राम कुमार कपूरिया, गिरिराज चौगुला, अमित मनचंद, केसर दास शोकर, रायम शोकर, राजेश गाका, अंकित अलाप, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चानला, किजान चानला, लक्ष्मण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वसुदेव शोकर, गोविंद आहुता, ओम नरला, बाल कृष्ण खत्री, अजर चानला, राम लाल

शोकर, वदुवंश चुग, डॉ. एन. कलाक, एम. अर. कुमार, सहायल नासा, ब्रह्म कर्णाल, रमेश भूटानी, सुभाष बुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रमेश टंडन, सुभाष शोकर एडवोकेट, सी.डी. मनचंद, गोविंद आहुता, पुष्पा नासा, ज्योतिषन बजाज, रमेश बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश सुखान, पी.एन. मींगिया, राजपाल योगेश्वर ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख डॉक्टर परमेश्वर अरीहा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सतिश जय शशी पाटी के संयोजक अंकित अलाप उपस्थित रहे। पाँच घण्टे दस ने गुरु गुरु का समापन विधिपुष्क किया।

बोध राज सीकरी के अह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगेश्वर श्रीमती मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग कला श्रंगल हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा धी ओड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में कलास के उपरान्त हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं। इसके अतिरिक्त जगपूर विराटी के शिव मंदिर, ईस्ट अंत कैलाश में राम लाल बने लगभग 20 लोग साप्ताहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के अह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इसकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलास से होती है।

रण टाइम्स

○ बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - 'देवता जी' को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

○ आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरंत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थीं और हनुमान जी की अनन्य भगत थीं, को तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलेजी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उग्ररंत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविचंद्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजन-वीथ विनोद वेद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पुनम माता जी माँ वैष्णो दाबा, गढ़ी हरस्त, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पुनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहेरीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केन्द्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुशु, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

दृश्य श्रद्धांजलि सभा कम और



संत सम्मेलन का जगहदा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढाँढस बंधावा और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने आँखों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लक्ष्मी की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सङ्कलन मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उग्ररंत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के

प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुस्लिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।

गजेंद्र गोसाईं ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाईं पर अवार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण ह्राथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के



वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आवा हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी।

जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहीं पंजाबी विपदरी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग

दिया। गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस.चावला, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र धरेजा, हरिश कुमार, दिलीप लुधरा, ओ.पी.कालरा, किशोरी लाल बुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक मेरा, राज कुमार कथुरिया, गिरिराज डोंगड़ा, अक्षित मनचंद, केसर दास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अक्षित अलख, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, गोविंद आहूजा, ओम नरुत्ता, बाल कृष्ण खत्री, कंकर भान कथवा, राम लाल ग्रोवर, यदुवंश चुग, डी. एन.काना, एम.आर.कुमार,

सतपाल नासा, ब्रह्म कथुरिया, रमेश चुटानी, सुभाष बुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रणधीर टंडन, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, सी.बी. मनचंदा, गोविंद आहूजा, पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मूजाल, पी.एन. भोगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी।

भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखतः डूङ्ग खंक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अक्षित अलख उपस्थित रहे।

पंडित भीम दत्त ने गरुड़ पुठण का समापन विधिपूर्वक किया।

बोध राज सीकरी के आह्वान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग क्लास उग्ररंत हनुमान चालीसा पाठ करवाती हैं और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में क्लास के उग्ररंत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही हैं। इसके अतिरिक्त जामपुर विपदरी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आह्वान पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:01 AM

वर्ष : 14 अंक : 343

भिवानी गुरुवार 01 जून 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कुल पृष्ठ : 8

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

गुरुग्राम। बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका हनुमान जी की अनन्य भक्त देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धार्जलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी मां वैष्णो दरबार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खत्री



आदि के साथ उपस्थित रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धार्जलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गजेंद्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों में देवराज

आहूजा, एचएस चावला, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुडैजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गेरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिराज ढींगड़ा, अनिल मनचंदा, केसरदास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलघ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासुदेव ग्रोवर समेत अनेक लोग शामिल हुए।

Bodhraj Sikri – हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण

VIRAL SACH | May 31, 2023 | No Comments | 3 | 4 minute read



Viral Sach : Bodhraj Sikri – मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय “देवता जी” महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद्य गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पुनम माता जी मॉ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरु, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पुनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहरीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खल्लर, देव राज आन्रजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।



इस्य श्रद्धांजलि सभा क्रम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किए।

सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को द्वादस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी जाननंद जी ने ओडियों के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम तल्ला की पवित्र नारी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।



प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेन्द्र गोसाईं ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

ajeybharat © Wednesday, May 31, 2023

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - "देवता जी" को दी भाव-भीनी विदाई।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय "देवता जी" महाराज, जो बाराजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ.स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्दैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहुजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।



दृश्य श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को डांडस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाचन दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

Bharat Sarathi

A Complete News Website

बोधराज सीकरी ने किया 1, 92000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार



लगभग साढ़े बारह हज़ार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या को स्पर्श - "देवता जी" को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय "देवता जी" महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की देहद्वी और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, ज्यु कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हज़ार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धालि दी। श्रद्धालुलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज श्री मंच पर उपस्थित रहे। जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ.स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्दानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूननीय विनोद वेद गोसाईं गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसक, डॉक्टर अरुका शर्मा जाली-माली ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केटीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र सुल्कर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे।

